शारदीय प्रार्थना

हम सौ शरद ऋतुओं को देखें।
हम सौ शरद ऋतुओं तक जिएँ।
हम सौ शरद ऋतुओं तक सीखें, ज्ञान पाएँ।
हम सौ शरद ऋतुओं तक समृद्ध बने रहें।
हमें सौ शरद ऋतुओं तक पोषण मिलता रहे।
हम सौ शरद ऋतुओं तक रहें
और बने रहें।
सौ शरद ऋतुओं तक—व आगे और भी अनन्त ऋतुओं तक!

अथर्ववेद १९.६७

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।